Shri Kamakshi Stotram

श्रीकामाक्षीस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Kamakshi Stotram 5

File name : kAmAkShIstotram5.itx

Category : devii, kAmAkShI, stotra, devI

Location : doc_devii

Author : Mahaperiava Chandrashekhara Sarasvati

Transliterated by : Aruna Narayanan

Proofread by : Aruna Narayanan

Latest update : July 30, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

July 30, 2020

sanskritdocuments.org

Shri Kamakshi Stotram

श्रीकामाक्षीस्तोत्रम्

मङ्गल चरणे मङ्गल वदने मङ्गलदायिनी कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ १॥

कष्ट निवारिणी इष्ट विदायिनी दुष्ट विनाशिनी कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ २॥

हिमगिरितनये मम हृदिनिलये सज्जनसदये कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ ३॥

ग्रहनुत चरणे गृहसुतदायिनी नव नव भवते कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ ४॥

शिवमुख विनुते भवसुखदायिनी नव नव भवते कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ ५॥

भक्त सुमानस ताप विनाशिनी मङ्गलदायिनी कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ ६॥

केनोपनिषद् वाक्य विनोदिनी देवी पराशक्ति कामाक्षी
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ ७॥

परशिव जाये वरमुनि भाव्ये अखिलाण्डेश्वरी कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ ८॥

हरिद्रा मण्डलवासिनी नित्य मङ्गलदायिनी कामाक्षी ।
गुरु गुह जननी कुरु कल्याणं कुञ्जरी जननी कामाक्षी ॥ ९॥

इति श्री जगद्गुरु चन्द्रशेखरसरस्वतीविरचितं कामाक्षीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Aruna Narayanan

Shri Kamakshi Stotram

pdf was typeset on July 30, 2020

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*